RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 133
दि. 12.09.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

पंजाब : शाहरुख खान ने 1,500 परिवारों तक पहुंचाई राहत सामग्री

पंजाब इन दिनों अपनी चार दशकों की सबसे भयानक बाढ़ से जूझ रहा है। इस प्राकृतिक आपदा ने अब तक 50 से अधिक लोगों की जान ले ली, जबकि 4 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। इसके साथ ही 22 जिलों के 2,200 से अधिक गांवों पर इसका असर पड़ा है। राज्य में करीब 1.90 लाख हेक्टेयर में बोई गई फसलें तबाह हो गईं। अभिनेता अक्षय कुमार के बाद अब बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की मीर फाउंडेशन भी राहत कार्यों में सक्रिय हो गई है। शाहरुख खान के NGO मीर फाउंडेशन ने स्थानीय एनजीओ के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने की पहल शुरू की है।

काशी : पीएम मोदी ने किया नवीनचन्द्र रामगुलाम का वेलकम

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

प्रधाननंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंच गए हैं.अपने चार घंटे के इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने भारत पहुंचे मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम का स्वागत किया. इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में रोड शो किया जहां लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया.

काशी में भारत-मॉरीशस वार्ता की वार्ता हो रही है और इसके लिए मॉरीशस के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर है जो तीन दिन वाराणसी ही रहेंगे. शाम को मॉरीशस के पीएम उट योगी के साथ क्रूज पर गंगा आरती देखने जाएंगे और बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे.

पीएम मोदी और डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के बीच होने वाली यह मुलाकात दोनों देशों के बीच स्थायी सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है.

द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख बिंदु

इस बैठक में दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की गहन समीक्षा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. चर्चा के मुख्य विषय ये होंगे: उभरते क्षेत्र, जैसे- नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नीली अर्थव्यवस्था जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना. दूसरा- पारंपरिक क्षेत्र, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में आपसी सहयोग को और मजबूत करना.

यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी की मार्च 2025 में मॉरीशस की यात्रा से बनी सकारात्मक गति पर आधारित है, जब दोनों देशों ने अपने संबंधों को 'संवर्धित रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया था.

वैश्विक महत्व

हिंद महासागर क्षेत्र में एक करीबी समुद्री पड़ोसी के रूप में, मॉरीशस भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है. दोनों देशों के बीच मजबूत हो रही यह साझेदारी न केवल उनके लोगों की समृद्धि के लिए, बल्कि ग्लोबल साउथ की सामूहिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भी महत्वपूर्ण है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आज भगवान शिव की नगरी अविनाशी काशी में यूपी सीएम श्री योगी आदित्यनाथ जी ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना क्यों कर रही सिंदूर रक्षा आंदोलन? बीजेपी मंत्रियों के बच्चों बनाया निशाना

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव में जीत हासिल करने के लिए उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) युद्ध स्तर पर प्रचार करने में जुट चुकी है। मराठा और अन्य वोटरों को साधने के लिए उद्धव की शिवसेना तरह-तरह के पैतरे अजमा रही है। इतना ही नहीं महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार पर चढ़ाई करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है।

मनोज जरांगे के मराठा आंदोलन का सपोर्ट करने के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) ने भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले क्रिकेट मैच का पुरजोर विरोध शुरू कर दिया है। शिवसेना (यूबीटी) ने इस मैच के खिलाफ 'सिंदूर रक्षा' आंदोलन करने का ऐलान कर दिया है।

याद रहे भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले क्रिकेट मैच को लेकर राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इस पर अपनी कड़ी आपत्ति जताई है।

क्या है 'सिंदूर रक्षा' आंदोलन?

संजय राउत ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) की महिला इकाई 'सिंदूर रक्षा' आंदोलन करेगी। राउत ने ऐलान किया "महाराष्ट्र की हजारों महिलाएं प्रधानमंत्री मोदी को अपने घरों से सिंदूर भेजेंगी। सिंदूर के सम्मान में शिवसेना मैदान में उतर चुकी है!"

संजय राउत ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

दरअसल, संजय राउत ने पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले की एक वायरल तस्वीर 11 सितंबर को अपनी पोस्ट में शेयर करते हुए लिखा, "पहलगाम हमले में 26 मां-बहनों का सिंदूर मिट गया था, उनका गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है, फिर भी अबू धाबी में भारत-पाक क्रिकेट मैच खेला जा रहा है।"

पीएम मोदी का हवाई दौरा रद्द, देहरादून में की हाईलेवल मीटिंग, 1200 करोड़ की मदद और प्रभावित परिवारों से मिले

मौसम खराब होने के चलते पीएम मोदी का हवाई सर्वेक्षण रद्द किया गया। देहरादून में पीएम मोदी ने एक उच्च स्तरीय बैठक भी की। पीएम ने

आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर सांत्वना दी। कहा कि आपदा में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और गंभीर रूप से घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। पीएम एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा मित्र स्वयंसेवकों से भी मिले और उनके प्रयासों की सराहना की।

यूपी सरकार ने बढ़ाई कन्या विवाह सहायता राशि, अब मिलेंगे कितने पैसे?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गरीब और श्रमिक परिवारों की बेटियों की शादी से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अक्सर आर्थिक तंगी और खर्च के कारण मजदूर वर्ग अपनी बेटियों के विवाह को लेकर परेशान रहता है। शादी जैसे पवित्र अवसर पर जब पैसों की कमी आड़े आती है तो परिवार की खुशी अधूरी रह जाती है।

ऐसे हालात को देखते हुए सरकार ने कन्या विवाह सहायता योजना में बड़ा बदलाव किया है। अब सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले जोड़ों को पहले से ज्यादा आर्थिक मदद मिलेगी। इस फैसले से उन परिवारों के चेहरों पर मुस्कान लौटेगी, जिनके लिए बेटी की शादी किसी भारी जिम्मेदारी से कम नहीं होती।

अब मिलेगा एक लाख रुपये

भवन एवं अन्य सन्निर्माण

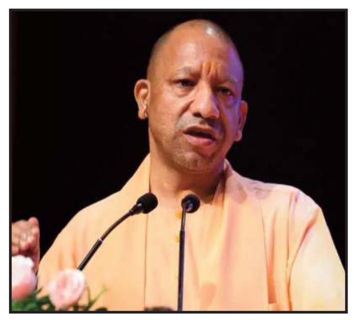

कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और महिला श्रमिकों को योजना के तहत अब 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। पहले सामूहिक विवाह में शामिल जोड़े को कुल 82 हजार रुपये ही मिलते थे, लेकिन अब यह राशि बढ़ाकर सीधा एक लाख रुपये कर दी गई है।

पहले ऐसे दी जाती थी मदद

पहले योजना के तहत विवाह करने वाले जोड़े को 65 हजार रुपये नकद, वर-वधू की पोशाक के लिए 10 हजार रुपये और आयोजनकर्ता को 7 हजार रुपये दिए जाते थे। अलग-अलग हिस्सों में मिलने वाली यह सहायता अब बढ़ाकर एकमुश्त कर दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

सामूहिक विवाह की शर्त

इस योजना का लाभ उन्हीं जोड़ों को मिलेगा जिनकी शादी सामूहिक विवाह कार्यक्रम में होगी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सामूहिक विवाह में कम से कम 11 जोड़ों का विवाह होना जरूरी है। तभी योजना के तहत आर्थिक मदद दी जाएगी।

गरीब परिवारों को बड़ी राहत

सरकार का कहना है कि यह बदलाव गरीब और श्रमिक परिवारों की बेटियों के विवाह में बहुत मददगार साबित होगा। अक्सर आर्थिक तंगी के कारण ऐसे परिवार अपनी बेटियों की शादी को लेकर परेशान रहते हैं। लेकिन अब एक लाख रुपये की सहायता मिलने से उनका बोझ काफी हद तक कम होगा।

प्रदेश सरकार का मकसद सिर्फ आर्थिक मदद देना ही नहीं, बल्कि सामूहिक विवाह की परंपरा को भी बढ़ावा देना है।

एशिया कप बांग्लादेश ने 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली।

एशिया कप में आज हांगकांग और बांग्लादेश के बीच मुकाबला में हांगकांग ने पहले बैटिंग की और 7 विकेट पर 143 रनों का स्कोर खड़ा किया। अबू धाबी में इस मैच के दौरान हांगकांग का कोई बल्लेबाज फिफ्टी नहीं जमा पाया, बांग्लादेश ने 7 विकेट से जीत दर्ज कर

ली।पिच से शुरूआती मदद लेने के लिए टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। यह निर्णय उस समय सही साबित हो गया, जब हांगकांग के ओपनर बल्लेबाज अंशुमन रथ महज 4 रन के निजी स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौट गए।

ाबर हयात के बल्ले से रन आने की उम्मीद थी लेकिन वह फ्लॉप रहे। बाबर महज 14 रनों के निजी स्कोर पर आउट होकर चलते बने। उनके बाद जीशान अली आउट हो गए। वह क्रीज पर तो टिक गए थे लेकिन 30 रनों की पारी के लिए 34 गेंदों का सामना कर गए। मुश्किल स्थिति में कप्तान नासिम मुर्तजा ने तेज बैटिंग का नजारा पेश किया लेकिन वह 19 गेंदों का सामना कर 28 के निजी स्कोर पर रन आउट हो गए।

राजदूत सर्जियो गोर का टैरिफ पर पहला रिएक्शन, कहा- 'भारत के साथ समझौते से बहुत दूर...'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त किया है. इस बीच सर्जियो गोर ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका के

बीच टैरिफ को लेकर पैदा हुआ तनाव कुछ ही हफ्तों में सुलझ जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देश बहुत दूर नहीं हैं. न्यज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक सर्जियो गोर ने कहा, "भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार है, जिसका भविष्य इस क्षेत्र को आकार देने में बड़ी भूमिका निभाएगा. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सशक्त नेतृत्व में मैं इस महत्वपूर्ण साझेदारी में अमेरिका के हित को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हूं."

दो फाड़ हुआ नेपाल का जेन-जेड आंदोलन? एक और नेता की एंट्री के बाद आपस में चले लात-घूंसे

(जीएनएस)।

नेपाल में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच Gen Z प्रदर्शनकारियों के एक गुट ने पूर्व नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (NEA) के प्रमुख कुलमान घिसिंग को अंतरिम सरकार का नेतृत्व सौंपने का प्रस्ताव रखा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि घिसिंग के पास ऊर्जा क्षेत्र का गहरा अनुभव और देश के प्रशासनिक सुधारों का बेहतरीन रिकॉर्ड है।

क्यों कटा सुशीला कार्की का पत्ता?

यह प्रस्ताव पूर्व सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नामांकन के विरोध में सामने आया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि संविधान न्यायाधीशों और पूर्व मुख्य न्यायाधीशों को प्रधानमंत्री बनने से रोकता है। पहले हजारों ॠल्ल` समर्थकों ने कार्की के पक्ष में मतदान किया था, लेकिन कानूनी बाध्यता

सामने आने पर समूह में मतभेद पैदा हो गया।

हालांकि, प्रधानमंत्री की तलाश इतनी दूर जा चुकी है कि Gen Z का सब्र अब टूटने लगा है। इसके अलावा उनमें आपस में भी मतभेद उपजने लगे हैं। Gen Z आंदोलन भी अब दो फाड़ होने लगा है, जिसके चलते उनमें बहस के बाद आपस में लात-घूंसे चले। जिसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसे में GenZ के भीतर एक असंतोष की स्थिति बनती दिख रही है। हालांकि, कई जगहों पर इंटरनेट कटने से इस बात की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

सेना मुख्यालय में चर्चा

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, Gen Z समूह के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को भद्रकाली स्थित सेना मुख्यालय में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल से मुलाकात की। सेना प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विभिन्न हितधारकों के साथ वार्ता चल रही है।

प्रवक्ता ने कहा, "हम कई दौर की बातचीत कर रहे हैं। चर्चा का केंद्र बिंदु मौजूदा गतिरोध से निकलने का रास्ता और देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।"

काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह को इस पद के लिए सबसे योग्य उम्मीदवार माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने रुचि नहीं दिखाई। धरान नगर पालिका के मेयर हर्क संपंग को भी विकल्प माना गया, मगर प्रदर्शनकारियों ने उन्हें कमजोर उम्मीदवार बताया। ऐसे में, 54 साल के इंजीनियर कुलमान घिसिंग का नाम आगे बढ़ाया गया।

कुलमान घिसिंग उस समय सुर्खियों में आए थे जब उन्होंने नेपाल में दशकों से जारी बिजली संकट को खत्म कर दिया था। उनके नेतृत्व में देश को रोजाना 18 घंटे तक की बिजली कटौती से मुक्ति मिली।

उन्होंने झारखंड के जमशेदपुर स्थित रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के दौरान शहीद हुए राज्य के 9 वन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के दौरान शहीद हुए राज्य के 9 वन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर में राज्य के पहले ह्यवनपाल स्मारकह्ल में वन मंत्री और वन राज्य मंत्री के साथ वन शहीदों को दी आदरांजलि

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस

गांधीनगर, 11 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 11 सितंबर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के अवसर पर गांधीनगर में राज्य के पहले ह्यवनपाल स्मारकह्ल जाकर वन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

केंद्र सरकार की ओर से वर्ष 2013 से प्रतिवर्ष 11 सितंबर को वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्धन की ड्यूटी के दौरान शहीद हुए वन विभाग के वनरक्षक, वनपाल, परिक्षेत्र

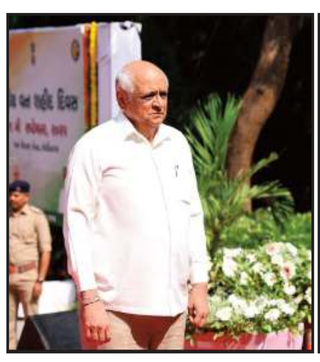

वन अधिकारियों और अन्य फ्रंटलाइन वन कर्मियों की शहादत के सम्मान में राष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल गुजरात के 9 वन शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर उन्हें भावांजलि अर्पित करने के लिए गांधीनगर में सेक्टर 30 स्थित वन चेतना केंद्र में निर्मित राज्य के पहले ह्यवनपाल स्मारकह्ल पहुंचे।

उन्होंने वन मंत्री श्री मुळुभाई बेरा तथा वन राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल के साथ वन शहीद वीरों को भावपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की और

टाउन प्लानिंग के 100 वर्षों के इतिहास में सूरत की प्रेरक पहल

सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन क्षेत्र की प्रारंभिक टीपी स्कीम नं. 61 का आदेश केवल 8 महीने में जारी

मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल प्रोजेक्ट के ढांचागत विकास के लिए सूरत शहर के 909 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 5 टीपी स्कीमों का आयोजन

देश के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की पहली टीपी स्कीम का आदेश जारी, 100 वर्ष पहले इसी दिन लागू हुई थी भारत की पहली टीपी स्कीम

कोसमाड़ा–छेछड़ा–ओवियाण के लिए टीपी स्कीम नं. 61 के त्वरित प्रारंभिक आदेश से सुनियोजित विकास को मिलेगी गति

टीपी स्कीम नं. 61 में सड़क नेटवर्क के लिए 3 लाख वर्ग मीटर से अधिक भूमि आवंटित

टेक्नोलॉजी, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ गुजरात का उत्कृष्ट शासन मॉडल

गांधीनगर, 11 सितंबर :देश के महत्वाकांक्षी ह्यमुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल प्रोजेक्टह्न के अंतर्गत सूरत में निमार्णाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन न केवल ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से, बल्कि समग्र शहरी विकास के दृष्टिकोण से भी परिवर्तनकारी बन रहा है। सूरत शहर में ह्यटाउन प्लानिंग (टीपी) स्कीम नं. 61ह्न के लिए केवल 8 महीने की अल्पावधि में प्रारंभिक आदेश जारी किया गया है, जो राज्य के सर्वांगीण विकास विजन के दृढ़ संकल्प, टेक्नोलॉजी के उपयोग और जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

जैसे–जैसे भारत की पहली बुलेट ट्रेन का सपना हकीकत में तब्दील होता जा रहा है, वैसे–वैसे सूरत शहर भी विकास की नई इबारत गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ते जा रहा है। नेशनल हाई–स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन के निर्माण के साथ ही, राज्य के शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण विभाग ने भी विकास उन्मुख दृष्टिकोण अपनाते हुए टाउन प्लानिंग स्कीमों के माध्यम से स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों के सुनियोजित और आधुनिक विकास के द्वार खोल दिए हैं।

राज्य सरकार के शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण विभाग के प्रवर नगर नियोजक श्री के.डी. पटेल ने बताया कि विकास के पथ पर तेज गति से अग्रसर सूरत के लिए टीपी स्कीम संख्या 61 (कोसमाड़ा–छेड़छा–ओवियाण) महज एक योजना दस्तावेज नहीं, बल्कि यह इस क्षेत्र के सर्वसमावेशी और भविष्य–उन्मुख विकास का रोडमैप है। बुलेट ट्रेन एचएसआर नोड क्षेत्र के विकास के लिए 909 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 5 टाउन प्लानिंग स्कीमों का आयोजन किया गया है, जो शहर के इकोनॉमिक जोन, रिहायशी इलाकों और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

राज्य सरकार ने गुजरात नगर नियोजन और शहरी विकास अधिनियम–1976 के अंतर्गत टाउन प्लानिंग स्कीम संख्या 61 (कोसमाड़ा–छेड़छा–ओवियाण) को ड्राफ्ट टीपी योजना के रूप में मंजूरी दे दी है और इसे निर्धारित अवधि में अंतिम रूप देने के लिए प्रवर नगर नियोजक श्री के.डी. पटेल को टाउन प्लानिंग ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया है।

श्री के.डी. पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात शहरीकरण की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, विश्व स्तरीय शहरी विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार 2025 को ह्यशहरी विकास वर्षह्न के रूप में मना रही है।

श्री पटेल ने आगे कहा कि टीपी स्कीम के लिए टेक्नोलॉजी के सदुपयोग, सरकारी विभागों में समन्वय और जनभागीदारी के तालमेल से केवल 8 महीने में ही प्रारंभिक टीपी स्कीम संख्या 61 का प्रारंभिक आदेश जारी किया गया है।

बजाज ट्रस्ट द्वारा ग्रामीण विकास एवं स्वर्णिम भारत के 'ध्येय महोत्सव' का सीकर में भव्य शुभारम्भ

ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज ने उद्घाटन सत्र में साझा किया ग्रामीण परिवर्तन का दृष्टिकोण

मुंबई, 11 सितम्बर। ग्रामीण विकास, सकारात्मक परिवर्तन और समृद्ध अनुभव के अद्भुत संगम के प्रतीक "ध्येय महोत्सव" के सातवें संस्करण का भव्य शुभारम्भ राजस्थान के प्रमुख नगर सीकर में ऊजार्वान और उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में हुआ। इस महोत्सव का आयोजन बजाज फाउंडेशन, विश्व युवक केंद्र और जमनालाल कनिराम बजाज ट्रस्ट के परोपकारी पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

समारोह की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलनऔर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एडीएम सीकर श्रीमती भावना शर्मा के साथ बजाज फाउंडेशन के ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज, विश्व युवक केन्द्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय शंकर सिंह तथा बजाज समूह के सीएसआर अध्यक्ष हरिभाई मोरी ने ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किये। महोत्सव के पहले दिन बजाज फाउंडेशन एवं विश्व युवक केंद्र की ग्रामीण हस्तक्षेप योजनाओं पर प्रस्तुतियाँ, फसल विविधीकरण और बागवानी विकास की सफलता की कहानियाँ तथा किसानों, युवा क्लबों और शिक्षकों द्वारा अनुभव साझा सत्र आयोजित किये गये। इन संवादों ने सहयोग, नवाचार और दृढ़ संकल्प की उस भावना को प्रदर्शित किया, जिसके लिए ध्येय कार्यक्रम जाना जाता है। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज ने कहा कि "ध्येय" केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है, जो ज्ञान बॉटने के साथ–साथ व्यावहारिक सीख और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने की हमारी सार्थक कोशिश है। उन्होंने बताया कि सीकर में जमनालाल कनीराम बजाज ट्रस्ट के अंतर्गत अब तक हमने एक हजार से भी अधिक गाँवों के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कार्य सुनिश्चित किये हैं। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में हमारा उद्देश्य देश भर से आये सामाजिक संस्थानों के साथ अपना अनुभव साझा कर आत्मनिर्भर और मजबूत गाँवों का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि सातवें संस्करण तक पहुँच चुका ध्येय कार्यक्रम, जल संरक्षण, कृषि, आजीविका और शिक्षा के क्षेत्रों में सतत विकास के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है और देशभर के ग्रामीण नेतृत्व को सफल मॉडल अपनाने हेतु प्रेरित कर रहा है। आगामी दिनों में महोत्सव के अंतर्गत विषयगत कार्यशालाएँ, अनुभव साझा सत्र और फील्ड एक्सपोजर विजिट्स के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिनसे सतत ग्रामीण प्रगति के लिए ठोस रूपरेखा तैयार होगी। उल्लेखनीय है कि बजाज फाउंडेशन, देश के प्रमुख औद्योगिक घराने बजाज समूह का परोपकारी अंग है, जो जल, कृषि, आजीविका और शिक्षा के माध्यम से सतत ग्रामीण विकास पर कार्यरत है। भारत के सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री जमनालाल बजाज के पोते शिशिर बजाज की अध्यक्षता में यह संस्था सीकर (राजस्थान) में जमनालाल कनिराम बजाज ट्रस्ट तथा वर्धा (महाराष्ट्र) और ललितपुर (उत्तर प्रदेश) में कमलनयन जमनालाल बजाज फाउंडेशन का संचालन करती है। बजाज समूह के अध्यक्ष कुशाग्र बजाज के नेतृत्व में बजाज समूह का विस्तार चीनी, एथेनॉल, ऊर्जा और एफएमसीजी व्यवसायों में हुआ है, जबकि अपूर्व नयन बजाज परिवार की सेवा की विरासत को आगे बढ़ाते हुए सामुदायिक सशक्तिकरण पहलों का नेतृत्व कर रहे हैं। नई दिल्ली स्थित विश्व युवक केंद्र 1961 से युवाओं के कौशल विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जो नवीन कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से युवाओं एवं स्वयं सेवी संस्थाओं को सशक्त बनाकर समग्र विकास तथा राष्ट्र निर्माण को बढ़ावा देता है।

बजाज फाउंडेशन के "ध्येय महोत्सव" में ट्रस्टी अपूर्व नयन बजाज का सत्कार करते हुए विश्व युवक केंद्र के प्रतिनिधि रणवीर सिंह। दूसरे चित्र में "ध्येय महोत्सव" के शुभारम्भ समारोह में शामिल विभिन्न सहभागी।

गुजरात आपदा धर्म निभाता है : पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए खाद्य सामग्री तथा जीवन जरूरी वस्तुएँ विशेष राहत ट्रेन से भेजी गई

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 400 टन खाद्य सामग्री तथा लगभग 70 टन दवाइयों के साथ विशेष राहत ट्रेन को गांधीनगर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान कराया

पंजाब तथा छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए गुजरात की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में आए पाँच–पाँच करोड़ रुपए की सहायता के चेक भेजे गए

गांधीनगर, 11 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में गुजरात ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ खड़े रहते हुए संकट के समय जरूरतमंदों की सहायता के लिए आपदा धर्म निभाने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाया है।

पंजाब में भारी वर्षा के कारण बाढ़ से प्रभावित लोगों की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के उम्दा उद्देश्य से गुजरात सरकार के राहत आयुक्त कार्यालय के समन्वय अंतर्गत खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग जैसे विभिन्न विभागों द्वारा जीवन जरूरी वस्तुएँ विशेष राहत ट्रेन से पंजाब पहुँचाने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आटा, प्याज, आलू, चावल, मूंगफली तेल, चीनी तथा दूध पाउडर जैसी आवश्यक वस्तुओं सहित कुल 400 टन खाद्य सामग्री, 10 हजार ताड़पत्रियों, 10 हजार मच्छरदानियों, 10 हजार बेडशीटों तथा लगभग 70 टन दवाइयों से भरी इस विशेष राहत ट्रेन को गुरुवार को गांधीनगर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान कराया।

श्री पटेल इससे पहले पंजाब तथा छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावितों की सहायता के लिए गुजरात की ओर से पाँच–पाँच करोड़ रुपए की सहायता के चेक सम्बद्ध राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भेज चुके हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा इस ट्रेन को प्रस्थान कराए जाने के बाद प्रवक्ता मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल ने मीडिया को विवरण देते हुए बताया कि आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए विभिन्न राहत सामग्री से भरी जो ट्रेन गांधीनगर रेलवे स्टेशन से रवाना की गई है, उसमें गेहूँ से लेकर कपड़े तक विभिन्न वस्तुएं हैं। इस सामग्री से भरे 22 वेगनों के साथ यह ट्रेन रवाना की गई है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावितों के लिए भी जीवन जरूरत की लगभग 8 हजार राहत किट भेजी गई हैं।

प्रवक्ता मंत्री ने यह भी जोड़ा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी तथा प्रभारी मंत्रियों के साथ बनासकाँठा जिले के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और जिला प्रशासन के कामकाज की समीक्षा करने के साथ जरूरी मार्गदर्शन भी देने वाले हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा गांधीनगर से विशेष राहत ट्रेन को प्रस्थान कराए जाने के अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री कुँवरजीभाई बावळिया, गृह राज्य मंत्री व गांधीनगर जिला प्रभारी मंत्री श्री हर्ष संघवी, गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, प्रदेश महासचिव श्री रजनीभाई पटेल, शहर अध्यक्ष डॉ. आसित दवे, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार, राहत आयुक्त श्री आलोक पांडे, रेलवे के डीआरएम, रेलवे प्रशासन तथा राज्य के वरिष्ठ अधिकारी–पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस बार सीएम नहीं बने तो खत्म होगा करियर? 5 प्वाइंट में समझिए तेजस्वी के लिए क्यों है ये आखिरी मौका

तेजस्वी यादव बिहार की राजनीति का सबसे चमकता हुआ नाम बन चुके हैं। लालू यादव की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने विपक्ष और सत्ता–दोनों में ही अपनी पकड़ मजबूत की है। दो बार डिप्टी सीएम की कुर्सी संभाल चुके तेजस्वी अब सीधे मुख्यमंत्री बनने की ओर नजरें गड़ाए बैठे हैं। लेकिन सवाल है–क्या 2025 का चुनाव उनके लिए 'करो या मरो' जैसा साबित होगा? आइए, 5 बड़े कारणों से समझते हैं क्यों यह चुनाव उनकी सियासी जिंदगी का टर्निंग प्वाइंट हो सकता है।

2025 का चुनाव तेजस्वी यादव के लिए सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि अस्तित्व की जंग है। अगर जीतते हैं तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पक्की, अगर हारते हैं तो आने वाला रास्ता और भी कठिन। यही वजह है कि इस बार का चुनाव उनके लिए सचमुच 'करो या मरो' जैसा है।

2020 के चुनाव में तेजस्वी यादव अकेले मोर्चा संभाल रहे थे क्योंकि लालू यादव जेल में थे। लेकिन इस बार तस्वीर बदल चुकी है। लालू यादव खुद बिहार की जमीन पर सक्रिय हैं और अपनी पूरी ताकत बेटे के पीछे झोंक चुके हैं। उनके अनुभव, राजनीतिक पकड़ और गठबंधन के नेताओं पर असर का सीधा फायदा तेजस्वी को मिलेगा। ऐसे में अगर इस मौके को भुना नहीं पाए, तो फिर दोबारा ऐसा सुनहरा चांस मिलना मुश्किल है।

नीतीश कुमार पिछले डेढ़ दशक से सत्ता पर काबिज हैं। उम्र का असर, लगातार कुर्सी पर बने रहने की थकान और सत्ता–विरोधी लहर अब साफ दिखने लगी है। यही वजह है कि बिहार में जनता बदलाव का मूड भी बना रही है। अगर तेजस्वी इस लहर को कैश नहीं कर पाए, तो उनके खिलाफ ही सवाल खड़े हो जाएंगे कि वे मौका मिलने के बावजूद क्यों चूक गए।

तेजस्वी यादव के सामने सिर्फ बाहरी विपक्ष ही नहीं, बल्कि आंतरिक चुनौती भी बड़ी है। तेज प्रताप यादव का लगातार बागी तेवर और मीसा भारती की सक्रियता पार्टी के भीतर सवाल खड़े करती है। अगर चुनाव हारे, तो आरजेडी में नेतृत्व संकट गहराएगा और परिवार की राजनीति में भी दरार और चौड़ी हो सकती है। यही कारण है कि इस बार की जीत उनके लिए 'सरवाइव करने' की भी शर्त है।

महागठबंधन के भीतर कांग्रेस और अन्य दल पहले ही तेजस्वी से बड़ी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। जैसे कांग्रेस ने राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री पद पर आरक्षण रखा, वैसे ही आरजेडी में मुख्यमंत्री पद को लेकर तेजस्वी का दावा है। अगर चुनाव में हार मिली, तो कांग्रेस और बाकी सहयोगी दलों का धैर्य टूट सकता है और भविष्य में तेजस्वी को सीएम चेहरा मानने से इनकार भी हो सकता है।

पश्चिम रेलवे उधना एवं पुरी के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना एवं पुरी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 08472/08471 उधना–पुरी स्पेशल (साप्ताहिक) [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 08472 उधना–पुरी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को उधना से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:45 बजे पुरी पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से 25 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08471 पुरी–उधना स्पेशल प्रत्येक सोमवार को पुरी से 06:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 सितंबर से 24 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, व्यारा, नंदुरबार, अमलनेर, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा रोड, संबलपुर सिटी, रेढ़ाखोल, अंगुल, तालचेर रोड, ढेंकानाल, भुवनेश्वर और खुर्दा रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2–टियर, एसी 3–टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 08472 की बुकिंग 12 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वर्चस्व की रंजिश में दो राउंड फायरिंग और लोहे की रॉड से हमला

(जीएनएस)।

बिहार में अपराधियों के हौसले दिन पर दिन बुलंद होते जा रहे हैं, बुधवार की देर शाम राजधानी पटना में राजद नेता राजकुमार राय की अपराधियों ने हत्या कर दी, वहीं ओद्योगिक राजधानी बेगूसराय के लाखो थाना क्षेत्र में अक्रऋ नेता मोहम्मद दाउद और उनके भाई मोहम्मद इमरान पर जानलेवा हमला हुआ।

ग्रामीणों ने बताया कि देर रात जिस तरह एआईएसएफ के छात्र नेता मोहम्मद दाउद और उनके भाई मोहम्मद इमरान पर गोलियों और लोहे की रॉड से जानलेवा हमला हुआ, ऐसा लग रहा था जैसे जान से मारने के लिए बदमाश पहुंचे थे। एक बार फिर बिहार की कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

धबौली वार्ड 11 (नवटोलिया) में हुई इस घटना के दौरान अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की और दाउद के घर में तोड़फोड़ कर कीमती सामान भी लूट लिया। परिजनों का आरोप है कि इलाके के ही मोहम्मद यूसुफ और मोहम्मद फिरोज ने वर्चस्व कायम करने की पुरानी रंजिश में यह हमला किया।

दाउद और इमरान दोनों को सिर में गंभीर चोट आई है और वे फिलहाल बेगूसराय सदर अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती हैं। गांव वालों का कहना है कि घटना के समय पुलिस को सूचना देने के बावजूद समय पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे हमलावरों का हौसला और बढ़ गया।

कौन हैं संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता महतानी? 30,000 करोड़ की संपत्ति में उन्हें क्यों नहीं मिल रहा हिस्सा?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की 12 जून 2025 को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। संजय कपूर की अचानक हुई मौत से उनके परिवार और दोस्तों को गहरा सदमा लगा है।

संजय कपूर की मौत के बाद संपत्ति को लेकर विवाद शुरू

हालांकि किसी को अंदाज नहीं था कि संजय कपूर की मौत के कुछ महीने बाद ही उनके परिवार में उनकी संपत्ति को लेकर झगड़ा शुरू हो जाएगा। संजय कपूर की दूसरी पत्नी, एक्ट्रेस कपूर के बच्चों ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।

करिश्मा कपूर के दोनों बच्चें पहुंचे दिल्ली हाई कोर्ट

करिश्मा कपूर और संजय पूर के दोनों बच्चों, बेटी समायरा और बेटा कियान, ने पापा की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव पर वसीयत में धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। कपूर परिवार और प्रिया सचदेव के बीच संपत्ति के बंटवारे को लेकर लड़ाई जारी है।

संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव पर लगे ऐसे आरोप

हालांकि संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता महतानी के इस मामले में शामिल होने की कोई खबर नहीं है। क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों हैं? आइए आपको बताते हैं इसके पीछे की पूरी कहानी।

कौन हैं संजय कपूर की पहली पत्नी नंदिता महतानी?

–नंदिता महतानी एक जानी–मानी भारतीय फैशन डिजाइनर हैं। उनका जन्म साल 1976 में हुआ था। साल 1996 में नंदिता ने संजय कपूर से शादी की थी। इसके बाद साल 2000 में नंदिता महतानी और संजय कपूर का तलाक हो गया था।

–फैशन इंडस्ट्री में नंदिता महतानी ने अपनी खास पहचान बनाई है। उन्होंने विराट कोहली, कैटरीना कैफ और गौरी खान जैसे कई मशहूर हस्तियों को स्टाइल किया है। साल 2024 में, उन्होंने एक फैशन शो में करण जौहर के साथ रैंप वॉक करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

नंदिता महतानी के रोमांटिक रिलेशन्स

–संजय कपूर से शादी करने के 4 साल बाद ही नंदिता महतानी ने उनसे तलाक ले लिया था। हालांकि नंदिता के रोमांटिक रिश्ते अक्सर सुर्खियों में रहे हैं। एक समय पर नंदिता ने बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर को डेट किया था, जो कथित तौर पर उनसे बहुत प्यार करते थे।

–इसके अलावा नंदिता महतानी का एक्टर डिनो मोरिया के साथ भी रिश्ता रहा है। साल 2016 में नंदिता और डिनो मोरिया का ब्रेकअप हो गया था। जानकारी के अनुसार ब्रेकअप के बावजूद, नंदिता महतानी और डिनो मोरिया मिलकर 'प्लेग्राउंड' नाम की कंपनी चलाते हैं।

–बाद में नंदिता महतानी का एक्टर विद्युत जाम्वाल के साथ भी सीरियस रिलेशनशिप था। मीडिया रिपोट्र्स की मानें तो विद्युत जाम्वाल ने उत्तर प्रदेश के आगरा में 150 मीटर ऊंची दीवार से रैपलिंग करके नंदिता को शादी के लिए प्रपोजल दिया था।

–कहा जाता है कि नंदिता महतानी और विद्युत जाम्वाल ने ताजमहल के सामने सगाई भी की थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। हालांकि सगाई करने के 2 साल बाद विद्युत जम्वाल और नंदिता महतानी ने साल 2023 में अपना रिश्ता खत्म कर लिया।

संजय कपूर के प्रॉपर्टी विवाद का हिस्सा क्यों नहीं हैं नंदिता?

–नंदिता महतानी ने साल 1996 में संजय कपूर से शादी की थी और 2000 में उनका तलाक हो गया था। कपल का कोई बच्चा नहीं है। इसी वजह से नंदिता महतानी अभी कपूर परिवार के इस विवाद में शामिल नहीं हैं।

–वहीं दूसरी तरफ करिश्मा कपूर और संजय कपूर के दो बच्चे हैं, समायरा और कियान। इसके अलावा संजय कपूर और प्रिया सचदेव के भी एक बेटा है, अजारियस कपूर। आपको बता दें कि प्रिया सचदेव की पहली शादी से उनकी बेटी सफिरा चाटवाल हैं जिनकी देखभाल संजय कपूर और प्रिया मिलकर करते थे।

हैवानियत! बिस्तर पर प्रेमी संग इस हाल में पकड़ी गई टीचर पत्नी, देख हुआ आगबबूला पति, फिर सड़कों पर नंगा घुमाया

(जीएनएस)।

ओडिशा के पुरी जिले में एक सनसनीखेज और दिल दहलाने वाली घटना ने सबको चौंका दिया है। एक स्कूल टीचर को उसके कॉलेज लेक्चरर पति ने कथित तौर पर सहकर्मी के साथ 'धोखा' देते पकड़ा, और फिर जो हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। गुस्से से आगबबूला पति ने न सिर्फ अपनी पत्नी को बेरहमी से पीटा, बल्कि उसे चप्पलों की माला पहनाकर प्रेमी संग सड़कों पर नंगा घुमाया।

इतना ही नहीं, महिला के पुरुष मित्र, जो खुद एक टीचर है, को भी अंडरवियर तक उतारकर सार्वजनिक रूप से बेइज्जत किया गया। इस भयावह घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, और लोग गुस्से से उबल रहे हैं। आखिर क्या है ये पूरा ड्रामा? आइए, इस खौफनाक कहानी की परतें खोलते हैं...

रात 8 बजे का खौफनाक मंजर

पुरी के नीमापाड़ा इलाके में मंगलवार (8 सितंबर 2025) रात करीब 8 बजे एक ऐसी घटना घटी, जिसने इंसानियत को तार–तार कर दिया। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला अपने कॉलेज लेक्चरर पति से वैवाहिक विवादों के चलते अलग रह रही थी और किराए के मकान में रहती थी। पति को शक था कि उसकी पत्नी का किसी और के साथ अफेयर है। उस रात, वो अपने कुछ साथियों के साथ जबरन पत्नी के घर में घुस गया। अंदर का नजारा देखकर उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया–उसने अपनी पत्नी को एक पुरुष सहकर्मी के साथ 'रंगे हाथों' पकड़ लिया।

सड़क पर बेइज्जती का तमाशा

इसके बाद जो हुआ, वो किसी थ्रिलर फिल्म से कम नहीं। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि पति ने अपनी पत्नी को बालों से घसीटकर घर से बाहर निकाला। उसने न सिर्फ उसे बेरहमी से पीटा, बल्कि चप्पलों की माला पहनाकर सड़कों पर घुमाया। भीड़ के सामने महिला की बेइज्जती की गई, और उसका पुरुष मित्र भी नहीं बचा–उसे अंडरवियर में अपमानित किया गया।

वीडियो में महिला रोते हुए, सड़क पर धकेली जाती दिख रही है, जबकि उसका पति गालियां बकता और मारपीट करता रहा। आसपास खड़ी भीड़ ने इस भयावह दृश्य को अपने फोन में कैद कर लिया, और अब ये क्लिप सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है।

पुलिस स्टेशन तक का अपमानजनक सफर

पति और उसके साथियों ने दोनों को पुलिस स्टेशन की ओर चलने के लिए मजबूर किया। रास्ते में भीड़ ने उन्हें घेर रखा था, और लोग इस तमाशे को रिकॉर्ड करते रहे। वीडियो में साफ सुनाई दे रहा है कि पति चिल्ला रहा है, और महिला बार–बार अपनी बेगुनाही की दुहाई दे रही है। लेकिन गुस्से में अंधे पति पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

पुलिस ने लिया एक्शन

स्थानीय पुलिस को जैसे ही इस घटना की खबर मिली, उन्होंने तुरंत हस्तक्षेप किया। पति और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला अभी जांच के दायरे में है, और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

नेताओं की अप्रत्यशित अमीरी भ्रष्टचार

यह सूचना न केवल चौंकाती है बल्कि हमें सोचने पर मजबूर करती है कि जिन मंत्रियों, सांसदों, विधायकों को हम अपना भाग्य बनाने के लिए चुनते हैं वह अंदर खाते कितने दागदार हैं। उनके खिलाफ कितने गंभीर आरोप लगे हुए हैं। आपराधिक मामलों में भी हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के गंभीर मामले शामिल हैं। चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने अपनी नई रिपोर्ट में चौंकाने वाले आरोपों की लंबी लिस्ट दी है। अभी हाल ही में तीन विधेयक संसद में पेश किए गए थे ताकि गंभीर आपराधिक मामलों में अगर किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन भी जेल में रहना पड़े तो उसे स्वतः पद मुक्त मान लिया जाए। हालांकि विपक्ष ने इसका जमकर विरोध किया और आशंका जताई गई कि अगर ये कानून बन गए तो उनका दुरुपयोग होगा, जिससे विपक्षियों को निशाना बनाया जाएगा। फिलहाल ये कानून जेपीसी को सौंपा गया है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर आगे कार्रवाई होगी। पर हम एडीआर की रिपोर्ट की तरफ लौटते हैं। रिपोर्ट के अनुसार देशभर के 302 मंत्री (करीब 47 प्रतिशत) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं वहीं वेंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। एडीआर ने 27 राज्यों, 3 वेंद्र शासित प्रदेशों और वेंद्र सरकार के वुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया।

यानी कि ये सब केस नेताओं ने अपने शपथ पत्रों में दिए हैं, यह सब अपराध उन्होंने खुद स्वीकार किए हैं। एडीआर ने यह भी कहा कि जिस शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। इन मामलों की स्थिति बदल भी सकती है। जिन मुख्यमंत्रियों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। उस सूची में सबसे ऊपर तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैं जिन पर 89 केस चल रहे हैं।

अगला नंबर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन का आता है जिन पर 47 केस चल रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और मोदी सरकार की बैसाखी बने चंद्रबाबू नायडू पर 19 केस चल रहे हैं। कनार्टक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर 13, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 5, देवेंद्र फणनवीस व भाजपा के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पर 4, हिमाचल के सुखविंदर सिंह सुक्खू पर 4, केरल के पी. विजयन पर 2, सिक्किम के पीएस तमांग, भगवंत मान, मोहन मांझी और भजनलाल पर एक-एक केस चल रहा है। पार्टिवार स्थिति वुछ ऐसी है भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) पर आपराधिक केस हैं। वहीं 88 (26 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 (74 प्रतिशत) पर केस हैं, 18 (30 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं।

डीएमके के 31 में से 27 (87 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 14 (48 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। टीएमसी के 40 में से 13 (33 प्रतिशत) पर केस हैं, 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के 23 में से 22 (96 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं। इनमें से 13 (57 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। आम आदमी पार्टी के 16 में से 11 (69 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 5 (31 प्रतिशत) पर गंभीर वेंस हैं। दुखद पहलु तो यह है कि इस हमाम में सभी नंगे हैं। वास्तव में देश में कोई ऐसी पार्टी नहीं है जिसमें आपराधिक दाग वाले नेता न हों। आपराधिक मामलों के आंकड़े यह साफ बताते हैं कि कथित साफ छवि का दावा करने वाले में राजनीतिक दल भी अपने नेताओं पर लगने वाले दाग को गंभीरता से नहीं लेते। वे अगर सबसे पहले वुछ देखते हैं तो यह कि कौन आदमी यह सीट निकाल सकता है भले ही उसकी छवि वुछ भी हो। बहरहाल, एडीआर ने मंत्रियों की औसत संपत्ति के भी दिलचस्प आंकड़े पेश किए हैं कर्नाटक में सबसे अधिक आठ अरबपति मंत्री हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में अमीर नेताओं की संख्या समय के साथ बढ़ती चली जाएगी। यही नहीं चुनाव लड़ना भी महंगा होता जा रहा है। चुनाव लड़ना साधारण व्यक्ति की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। यही वजह है कि ईमानदार, कम साधनों वाले अब विधानसभा, लोकसभा चुनाव लड़ने का सपना भी नहीं देख सकते और यह हाल सब पार्टियों का है।

गुजरात : 4 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 84 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक की सहायता मंजूर

सुशासन के 4 वर्ष : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से पिछले 4 वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 84 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक की सहायता मंजूर

मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से गुजरात के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं की सरलता से उपलब्धता सुनिश्चित करती है गुजरात सरकार

ह्रसीएम रिलीफ फंड जरूरतमंदों के लिए बहुत ही अच्छी योजना है तथा ऐसी और कोई सेवा है ही नहींह्व - योजना के लाभार्थी

मुख्यमंत्री राहत कोष जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक एवं मानसिक मनोबल प्रदान करने का माध्यम

गांधीनगर, 11 सितंबर, 2025: 13 सितंबर, 2025 को मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के सुशासन के चार वर्ष पूर्ण हो रहे है। इन चार वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने राज्य के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं की सरलता से उपलब्धता सुनिश्चित की है। अत्यंत गंभीर एवं जानलेवा बीमारी में खचीर्ली स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त करने में अक्षम जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री राहत कोष (मुख्यमंत्री रिलीफ फंड यानी सीएमआरएफ) के माध्यम से स्वास्थ्योन्मुख वित्तीय सहायता प्रदान करती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पिछले 4 वर्षों में मुख्यमंत्री राहत कोष से 3761 नागरिकों को 84 करोड़ 29 लाख रुपए की आर्थिक सहायता मंजूर की गई है। यह दशार्ता है कि राज्य के नागरिकों के स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही 21 वर्षीय हेतवीबेन शाह को कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए 3,58,260 रुपए की सहायता

वडोदरा निवासी तथा एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही 21 वर्षीय हेतवीबेन शाह को कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए आर्थिक सहायता की जरूरत थी। कम श्रमण क्षमता के कारण उचित उपचार न हो, तो उनकी शिक्षा एवं कॅरियर पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता था। वडोदरा के एपेक्स स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक

ने कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए 5,97,000 रुपए का अनुमानित खर्च बताया था, जिसके कारण उन पर भारी आर्थिक बोझ आ रहा था। इस स्थिति को ध्यान में लेकर तथा उनके प्रति सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मुख्यमंत्री ने विशेष मामले में उनके लिए 3,58,260 रुपए की सहायता मंजूर की। हेतवीबेन के पिता संदीपभाई शाह कहते हैं, ह्रहमें हमारे रिश्तेदारों के जरिये सीएम रिलीफ फंड के बारे में जानकारी मिली थी। इसके अलावा, हमने अखबार में भी आर्टिकल पढ़ा था कि सीएम रिलीफ फंड से कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए सहायता मिलती है। इसलिए हमने सम्बद्ध अधिकारियों को अप्रोच किया, जरूरी दस्तावेज दिए, वेयरीफाई कराए और हमारी 3,58,260 रुपए की सहायता मंजूर हुई। हमें डेढ़ से दो महीने में ही पेमेंट भी मिल गया। हमारा आर्थिक बोझ कम हो गया और मेरी बेटी को मशीन भी मिल गई। सीएम रिलीफ फंड जरूरतमंदों के लिए बहुत ही अच्छी योजना है तथा ऐसी और कोई सेवा है ही नहीं। यह जरूरी है कि इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे।ह्व

71 वर्षीय हाजाभाई खूँटी को कैंसर के उपचार के लिए मिली मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता

अहमदाबाद निवासी 71 वर्षीय हाजाभाई जेताभाई खूँटी को कैंसर हुआ था। अहमदाबाद के एचसीजी आस्था केयर अस्पताल ने उनके उपचार का अनुमानित खर्च 8,50,000 रुपए बताया था। हाजाभाई जैसे मध्यम वर्गीय परिवार के लिए यह राशि बहुत बड़ी थी। उनकी आर्थिक स्थिति एवं रोग की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विशेष मामले में उनके उपचार के लिए 2,83,333 रुपए की सहायता मंजूर की। हाजाभाई कहते हैं, ह्रहमें बहुत ही सही समय पर राज्य सरकार की ओर से आवश्यक आर्थिक सहायता मिल गई। मेरा ऑपरेशन भी सफलतापूर्वक हो गया और मेरा स्वास्थ्य अब बहुत ठीक है। रेगुलर फॉलो-अप के लिए अस्पताल जाना पड़ता है, लेकिन सीएम रिलीफ फंड से हमें जो सहायता मिली, उससे हमें पूरा संतोष है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री तथा राज्य सरकार का बहुत आभारी हूँ।ह्व

सीएमआरएफ : जरूरतमंदों को आर्थिक एवं मानसिक मनोबल प्रदान करने का माध्यम

सीएमआरएफ यानी मुख्यमंत्री रिलीफ फंड जरूरतमंदों को आर्थिक एवं मानसिक मनोबल प्रदान करने का माध्यम बना है। लिवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, लंग व हार्ट ट्रांसप्लांट तथा कैंसर जैसे प्राणघातक रोगों का उपचार बहुत खचीर्ला होता है। इस प्रकार के अति गंभीर रोगों के उपचार के लिए जब राज्य सरकार द्वारा पीएमजेएवाई योजनांतर्गत सहायता सीमा पूरी हो जाती है, तब कई बार रोगी व उसके परिजनों के पास

एग्रो और डेयरी में उत्तर गुजरात की नई उड़ान, वीजीआरसी में होगी वैश्विक पहचान की प्रस्तुति

- VGRC में आलू, मसाला और डेयरी वैल्यू चेन में निवेश अवसरों पर होगा फोकस
- VGRC उत्तर गुजरात के एग्रो, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी सेक्टर को देगा नई गति

गांधीनगर, 11 सितंबरः गुजरात एकीकृत सहकारी मॉडल के माध्यम से देश की कृषि अर्थव्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अब, उत्तर गुजरात की कृषि, डेयरी और फूड प्रोसेसिंग की ताकतें राष्ट्रीय और वैश्विक निवेशकों के सामने पेश की जाएंगी। उत्तर गुजरात में 9झ10 अक्टूबर 2025 को वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) का आयोजन होने जा रहा है। दो दिवसीय यह सम्मेलन न केवल किसानों, उद्यमियों और उद्योगपतियों को जोड़ने का मंच बनेगा, बल्कि प्रदेश के कृषि क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन की सफलता कहानियों को भी प्रदर्शित करेगा।

कार्यक्रम के पहले दिन, 9 अक्टूबर को, गुजरात सरकार के कृषि, किसान कल्याण एवं सहकार विभाग की ओर से ह्रसॉयल टू शेल्फः इन्टीग्रेटिंग सस्टेनिबिलिटी एन्ड प्रॉफिटिबिलिटी अक्रॉस दि वैल्यू चेनह्व विषय पर सेमिनार आयोजित होगा, जिसमें विशेषज्ञ स्थायी और लाभकारी कृषि मॉडल पर चर्चा करेंगे। दूसरे दिन, 10 अक्टूबर को, ह्रएग्री-टेक टू एग्री-वेल्थः ट्रान्सफॉर्मिंग एग्रीकल्चर थ्रू टेक्नोलॉजीह्व विषय पर सेमिनार होगा। इसमें खेती में तकनीकी नवाचार, एग्री-स्टार्टअप्स और डिजिटल एग्रीकल्चर के बढ़ते अवसरों पर चर्चा की जाएगी, जिससे किसानों की आय और प्रदेश की कृषि प्रतिस्पर्धा को नई दिशा मिलेगी।

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) पहल के तहत अरावली ज़िले ने आलू-आधारित उत्पादों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहाँ के फ्रेंच फ्राइज, फ्लेक्स और स्टार्च-रहित (शुगर-फ्री) आलू वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बढ़त दिला रहे हैं। वर्ष 2024-25 में, अरावली ज़िले से आलू का निर्यात 12 देशों ओमान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, मलेशिया, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), हांगकांग, वियतनाम, बहरीन, कतर,

अंगोला और श्रीलंका को हुआ। यह ज़िला सौंफ, मेथी और हल्दी की खेती पर आधारित जैविक मसालों और पाउडर प्रोसेसिंग के लिए भी एक प्रमुख केंद्र बन चुका है।

दूसरी ओर, बनासकांठा ज़िला न केवल गुजरात का सबसे बड़ा आलू उत्पादक है, बल्कि राज्य के कृषि और डेयरी क्षेत्रों में भी अग्रणी है। वर्ष 2024-25 में 18.70 लाख टन आलू उत्पादन के साथ यह राज्य में पहले स्थान पर रहा। यहाँ फ्रोजन और डिहाइड्रेटेड आलू उत्पादों के लिए मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद है। आलू के साथ-साथ, बनासकांठा भारत की इसबगोल (प्सिलियम हस्क) उत्पादन में भी वैश्विक नेतृत्व में योगदान देता है। संपूर्ण गुजरात से इसबगोल का निर्यात 88 देशों में होता है, जिनमें से 79 देशों को निर्यात केवल उत्तर गुजरात से होता है।

डेयरी क्षेत्र में भी यह ज़िला अपनी पहचान रखता है। बनास डेयरी, जो भारत की सबसे बड़ी डेयरी है, 1,600 से अधिक दुग्ध समितियों और 3 लाख किसानों के सहयोग से संचालित होती है। कृषि, डेयरी और प्रोसेसिंग उद्योगों का यह संगम न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है, बल्कि उत्तर गुजरात को वैश्विक मानचित्र पर भी सशक्त उपस्थिति दिला रहा है।

उत्तर गुजरात निवेश और कृषि विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। मेहसाणा शहर अब केवल अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए ही नहीं, बल्कि कृषि, फूड प्रोसेसिंग, उच्च गुणवत्ता वाले मसालों, डेयरी और वैल्यू-एडेड एग्रीकल्चर के लिए भी पहचान बना रहा है। उंझा का प्रसिद्ध मार्केट यार्ड जीरा, सौंफ और अन्य ऑर्गेनिक मसालों की प्रोसेसिंग के लिए एक स्वाभाविक बढ़त देता है, जबकि दूधसागर डेयरी बड़े पैमाने पर दूध, घी, मक्खन और पनीर के उत्पादन से स्थानीय और राष्ट्रीय बाजारों में मजबूती ला रही है। हाल के वर्षों में अरंडी और मूंगफली के बढ़ते उत्पादन ने तेल मिल और संबद्ध उद्योगों के लिए नए अवसर खोले हैं।

क्षेत्र के कृषि उत्पादों में पाटण के गाजर, चाणसमां की सौंफ और सामी, राधनपुर व सांतलपुर का जीरा शामिल हैं, जो प्रोसेसिंग उद्योग के लिए एक सशक्त आधार तैयार करते हैं। सरसों, अरंडी और मूंगफली जैसे तिलहन फसलों की बढ़ती पैदावार ऑयल मिलिंग और संबद्ध उद्योगों को गति दे रही है। आलू और गाजर प्रोसेसिंग में भी मेहसाणा अहम योगदान दे रहा है।

दूसरी ओर, साबरकांठा ज़िला एग्रो और फूड प्रोसेसिंग के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की कृषि क्षमता और डेयरी का मजबूत नेटवर्क इस बदलाव को गति दे रहा है।

टाइगर के खाते में एक और फ्लॉप फिल्म होगी शामिल, 'बागी 4' की कमाई हुई फुस्स

(जीएनएस)।

'बागी 4' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 6 दिन हो गए हैं। फिल्म ने अपना पहला हफ्ता बॉक्स ऑफिस पर पूरा करने वाली है। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। लेकिन कमाई के मामले में मेकर्स को निराश करती जा रही है। फिल्म से जिस तरह की उम्मीद थी, वैसा परफॉर्म नहीं कर पाई है।

5 सितंबर को 12 करोड़ रुपए की ओपनिंग की। शनिवार यानी दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 9.25 करोड़ रहा, रविवार को फिल्म ने 10 करोड़ की कमाई की। सोमवार को 4.25 करोड़ और मंगलवार को 4 करोड़ का बिजनेस हुआ। लेकिन बुधवार को फिल्म का कलेक्शन फिर नीचे गिरा। इस दिन फिल्म ने सिर्फ 1.67 करोड़ रुपए की कमाई की। फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 41.42 करोड़ रुपए है।

छह दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन ₹41 करोड़ रहा है। 'बागी 4' से मेकर्स को भरपूर कमाई की उम्मीद थी। क्योंकि फिल्म एक्शन से भरी हुई है। इसमें इतनी मारकाट दिखाई गई है, जैसे आम इंसान सब्जी काट रहा हो। बाग 4 के मेकर्स ने इसे बनाने में करीब 150 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन फिल्म एक हफ्ते में ₹50 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। फिल्म का दिन प्रति दिन कलेक्शन देख, ऐसा लगता है कि फिल्म अपने बजट का 50% पैसा भी नहीं कमा पाएगी। मेकर्स भी इस कमाई को देख हैरान हैं। वहीं, ये फिल्म टाइगर के खाते में एक और फ्लॉप के रूप में जुड़ जाएगी।

फिल्म 'बागी 4' में टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त के साथ सोनम बाजवा, हरनाज संधू, श्रेयस तलपड़े, उपेंद्र लिमये, सौरभ सचदेवा और शीबा आकाशदीप साबिर जैसे कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। टाइगर श्रॉफ को आखिरी बार 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी।

एक हेलीकॉप्टर कितने रुपए में किराए पर मिलता है? किस पार्टी ने कितने उड़नखटोले किए बुक?

(जीएनएस)।

जैसे-जैसे बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान को तेज कर दिया है। इस बार चुनाव प्रचार का सबसे अहम हथियार बन गए हैं हेलीकॉप्टर। चुनावी आसमान में कुल 20 हेलीकॉप्टर उड़ान भरेंगे, जिनमें से ज्यादातर का इस्तेमाल एनडीए और महागठबंधन (INDIA ब्लॉक) के नेता करेंगे।

NDA ने बुक किए 15 हेलीकॉप्टर

BJP और JDU के चेहरे वाले NDA ने प्रचार के लिए 15 हेलीकॉप्टर बुक किए हैं। इनमें से 12-13 हेलीकॉप्टर बीजेपी के लिए और 2 जेडीयू के लिए रखे गए हैं। साथ ही, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसे सहयोगी दल भी इनका उपयोग करेंगे। एनडीए नेताओं से प्रतिदिन 14-15 हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल की उम्मीद है, जिनमें अधिकतर बीजेपी नेताओं के लिए होंगे।

INDIA ब्लॉक के पास 5 हेलीकॉप्टर

विपक्षी गठबंधन INDIA ब्लॉक ने कुल 5 हेलीकॉप्टर बुक किए हैं। इनमें कांग्रेस और आरजेडी ने 2-2 हेलीकॉप्टर अपने नेताओं के लिए आरक्षित किए हैं। विपक्षी दल सीमित संसाधनों के बावजूद हेलीकॉप्टरों का सहारा लेकर अधिक से अधिक विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचने की रणनीति बना रहे हैं।

कितने में बुक होता है एक हेलीकॉप्टर?

हेलीकॉप्टर किराए पर लेना सस्ता सौदा नहीं है। एक सिंगल-इंजन हेलीकॉप्टर का खर्च ₹1-2 लाख प्रति घंटा आता है, जबकि डबल-इंजन हेलीकॉप्टर ₹3-4 लाख प्रति घंटा तक पहुंचता है। चुनावी मौसम में किराया और बढ़ जाता है-सिंगल इंजन के लिए लगभग 25% और डबल इंजन के लिए 100% तक चुकाना पड़ते हैं। बुक करने वाले नेताओं को तीन घंटे का न्यूनतम शुल्क और उस पर 18% GST देना पड़ता है।

पिछली बार से तीन गुना ज्यादा बुकिंग

पटना एयरपोर्ट स्थित ग्लोबल फ्लाइट सर्विसेज के प्रबंधक देवेंद्र कुमार ने बताया कि इस बार चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टरों की संख्या पिछले चुनावों से लगभग तीन गुना अधिक है। 2020 के चुनाव में कोविड-19 महामारी के चलते इनका इस्तेमाल सीमित था, लेकिन अब हेलीकॉप्टर राजनीतिक दलों की पहली पसंद बन गए हैं।

यातायात नहीं भीड़ खींचने का साधन भी

चुनाव प्रचार में हेलीकॉप्टर न केवल यात्रा का साधन हैं बल्कि भीड़ जुटाने का एक आकर्षण भी माने जाते हैं। कई बार जब रैली में भीड़ कम होती है तो नेता पायलट से कुछ समय

नेपाल में जो हुआ उसके पीछे किस देश का हाथ? महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कर दिया बड़ा दावा

(जीएनएस)।

नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाए जाने को मुद्दा बनाकर जेन जेड ने जमकर उपद्रव किया। जेन जेड के उग्र विरोध-प्रदर्शन और आगजनी के चलते प्रधानमंत्री ओली को इस्तीफा देना पड़ा और उनकी सरकार का तख्तापटलट हो गया जेन जेड के इस उग्र प्रदर्शन की आग में जले नेपाल की हालत अब पहले से बेहतर है लेकिन अब ये सवाल उठ रहा है कि इसके पीछे क्या किसकी साजिश थी?

इसी बीच नेपाल की हिंसा से जोड़कर भारत में सोशल मीडिया पर पर कई मैसेज फारवर्ड हो रहे हैं। जिसको लेकर महाराष्ट्र की पुलिस अलर्ट हो चुकी है। पुलिस का उद्देश्य ऐसे भड़काऊ मैसेज को रोकना है जो लोगों के बीच नफरत या अशांति फैला सकते हैं। इसी बीच महाराट्र के गृह मंत्री योगेश कदम ने नेपाल में जेन जेड के विरोध-प्रदर्शन के पीछे किस देश का हाथ हो सकता है, इसको लेकर बड़ा दावा कर डाला है।

दरसअल, महाराष्ट्र में गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने नेपाल हिंसा के बाद महाराष्ट्र के हालात पर बात करते हुए कहा कि उनकी विभाग की टीम ऐसे तत्वों पर कड़ी नजर रख रही है, जो सोशल मीडिया के माध्यम से हिंसा

भड़काने या अफवाहें फैलाकर अशांति पैदा करने की कोशिश करते हैं।

कदम ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य की सोशल मीडिया नीतियां बहुत सख्त हैं। उन्होंने बताया कि उनकी साइबर सेल मजबूत है और उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाहों को फैलने से पहले ही रोक दिया है।

नेपाल में जेन जेड के उग्र प्रदर्शन के पीछे किस देश का हाथ?

नेपाल में हुई हिंसा पर टिप्पणी करते हुए योगेश कदम ने इसमें चीन का इंफ्ल्यूएन्स यानी प्रभाव की संभावना जताई है। कदम ने कहा, "यह समझना बहुत जरूरी है कि नेपाल में ऐसा क्यों हुआ। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मेरी पीएचडी है, और नेपाल पर चीन का इंफ्ल्यूएन्स एक ऐसा एंगल है जिस पर विचार होना चाहिए।"

कदम बोले- यह मेरा व्यक्तिगत विश्लेषण है

कदम ने सोशल मीडिया को बिना किसी पूर्व सूचना के पूरी तरह से प्रतिबंधित करने के फैसले को 'बेहद कड़ा' बताया। उन्होंने कहा, "मेरे ख्याल से ऐसे निर्णयों से पूरी तरह से अशांति फैलती है। यह मेरा व्यक्तिगत विश्लेषण है, किसी राजनीतिक या जानकारी के आधार पर नहीं बोल रहा हूं।"

नेपाल में जेन जेड के उग्र प्रदर्शन में चली गई कई जान

ध्यान रहे, नेपाल में 8 सितंबर को छात्रों ने सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया था, जो बाद में हिंसक हो गया। मजबूर होकर केपी ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इस विरोध प्रदर्शन में राजधानी काठमांडू में बड़े नेताओं के घरों और सैकड़ों वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। इन विरोध प्रदर्शनों में 30 लोगों की मौत हो गई और लगभग 400 लोग घायल हुए। ओली सरकार की सत्ता पलट के बाद नेपाल में अंतरिम सरकार बनाने के लिए खींचतान चल रही है।

मोहन भागवत की जाति क्या है, शादीशुदा हैं या नहीं, आरएसएस चीफ के बारे में ये बातें नहीं जानते होंगे आप

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत आज 11 सितंबर 2025 को 75 साल के हो गए।11 सितंबर 1950 को जन्मे मोहन भागवत न सिर्फ संघ के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं, बल्कि देश की सामाजिक-राजनीतिक धारा को दिशा देने वाली आवाज भी बन चुके हैं। 2009 में संघ की कमान संभालने के बाद से वे लगातार संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम कर रहे हैं।

कभी "बुजुर्गों का संगठन" कहे जाने वाले फरर ने 2009 में एक बड़े बदलाव का रास्ता चुना। 2004 लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार, लालकृष्ण आडवाणी से जुड़ी विवादित घटनाएं, प्रमोद महाजन की हत्या, अटल बिहारी वाजपेयी का सक्रिय राजनीति से संन्यास और तब के सरसंघचालक के.सी. सुदर्शन व विश्व हिंदू परिषद के अशोक सिंघल की सेहत बिगड़ने से संघ परिवार कठिन दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में संघ की बागडोर सौंपी गई मोहन भागवत को -जो तब तक अपेक्षाकृत कम चर्चित और वरिष्ठ नेताओं की तुलना में "जूनियर" माने जाते थे।

आज वही भागवत संघ परिवार की 36 संस्थाओं की दिशा और दशा तय कर रहे हैं, और यह सुनिश्चित कर चुके हैं कि पूरा संगठन एक ही दिशा में आगे बढ़े। ऐसे में आइए मोहन भागवत की जिंदगी और सफर से कुछ रोचक तथ्य, जिन्हें शायद बहुत कम लोग जानते होंगे।

▶ 1. मोहन भागवत का परिवार और उनकी जाति

1950 में महाराष्ट्र के सांगली जिले में जन्मे मोहन भागवत का परिवार संघ के प्रति समर्पित था। मोहन भागवत एक करहाड़े ब्राह्मण परिवार से हैं। मोहन भागवत के दादा नानासाहेब संघ संस्थापक के.बी. हेडगेवार के सहयोगी थे। उनके पिता मधुकरराव गुजरात में प्रचारक रहे।

मां मालती संघ की महिला शाखा से जुड़ी हुई थीं। कहा जाता है कि भागवत परिवार का घर हमेशा सभी के लिए खुला रहता था। टकराव से दूर रहकर समझाने और जोड़ने की कला, भागवत को विरासत में मिली।

मोहन भागवत, चार भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। पशु चिकित्सक के रूप में छह महीने चंद्रपुर में नौकरी की, लेकिन जल्दी ही सब छोड़कर अकोला जिले के प्रचारक बन गए। फिर विदर्भ और बिहार में काम किया और 2000 में वे संघ के सरकार्यवाह (जनरल सेक्रेटरी) बने।

▶ 2. मोहन भागवत की शिक्षा

मोहन भागवत ने वेटरिनरी साइंस (पशु चिकित्सा विज्ञान) में स्नातक की पढ़ाई की और फिर कृषि विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की। डॉक्टर बनने का उनका सपना था, लेकिन उन्होंने अपना जीवन संघ को समर्पित कर दिया।

एआरटीओ कार्यालय बाराबंकी का आरीटीओ अयोध्या द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

(जीएनएस)।

लखनऊ,आरटीओ प्रशासन सुश्री ऋतु सिंह द्वारा एआरटीओ कार्यालय बाराबंकी का औचक निरीक्षण कर "नो हेल्मेट नो पेट्रोल" अभियान की प्रगति के बारें में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि मा. मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर चलाये जा रहे इस अभियान के संबंध लोगों को जागरूक करते हुए चालान की कार्यवाही करें तथा जिला आपूर्ति विभाग, पुलिस विभाग व जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए इसे और अधिक प्रभावी बनायें।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय में आयें हुए आवेदकों से बात की गयी व साफ-सफाई पर संतोष व्यक्त किया गया। कार्यालय में सड़क सुरक्षा संबंधी बैनर लगे पाये गये। बकाया वसूली पर असंतोष व्यक्त करते हुए बकाया वाहनों, अनफिट वाहनों व बिना परमिट वाहनों पर प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये। परमिट समाप्त व अथराइजेशन समाप्त वाहनों के संबंध में आरटीओ कार्यालय अयोध्या से नोटिस प्रेषित करते हुए उनकी सूची एआरटीओ प्रदान करते हुए निर्देशित किया गया कि ऐसे वाहनों के वाहन स्वामियों से दूरभाष पर संपर्क कर तथा प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए ऐसे सभी वाहनों को परमिट से आच्छादित करायें।

इस अवसर पर आरटीओ द्वारा राहवीर योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने पर 25000 रू. की प्रोत्साहन राशि के रूप में राहवीर योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा दिये जाने का प्रावधान है। अतः लोगो से अपील है कि निःसंकोच होकर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डेन आवर में अस्पताल पहुँचाकर जीवनदान में सहयोग करें।

निरीक्षण के दौरान आरआई श्री बलवंत यादव की कार्यशैली पर रोष व्यक्त करते हुए डीएल व फिटनेस की प्रक्रिया में सभी मानको व नियमों का कड़ाई से अनुपालन के निर्देश भी दिये गये। वाहनों के पंजीयन विशेषकर बसो, स्लीपर बसों और भारी माल वाहनों के पंजीयन में मानको के आधार पर बारीकी से परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त शासन के योजनाओं व निदेर्शों का परिवहन विभाग के आफिशिएल सोशल मीडिया व परिवहन विभाग के चैटबाट के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिये गये।

निरीक्षण के दौरान एआरटीओ श्रीमती अंकिता शुक्ला, आरआई श्री बलवंत यादव व कार्यालय के कर्मचारीगण मौजूद रहें।

(ऋतु सिंह) सम्भागीय परिवहन अधिकारी

नौहझील पुलिस ने कार सवार तस्कर दबोचा : गांजा बरामद

(जीएनएस)।

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) थाना नौहझील क्षेत्र स्थित बाजना रोड़ से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में बाजना रोड़ स्थित अंडरपास के निकट चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान कार सवार एक व्यक्ति सामने पुलिस चेकिंग को देखकर वापस भागने लगा। कार सवार को भागते हुए देखकर शक होने पर थाना प्रभारी सोनू सिंह ने पीछा करके भागने का प्रयास कर रहे अंकित पाल पुत्र स्व. संतोष पाल निवासी मोहल्ला तकिया पार्क थाना सीसामऊ जिला कानपुर नगर को

दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 1 किलो 40 ग्राम गांजा और ईको कार बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा वॉकथॉन का आयोजन

(जीएनएस)।

11 सितंबर, 2025: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ मरीन ड्राइव, मुंबई में एक वॉकथॉन का आयोजन करके किया गया. बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री नितेश रंजन और श्री संजय रुद्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, बैंक के शीर्ष अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा इस वॉकथॉन में भाग लिया गया.

यह वॉकथॉन का आयोजन निवारक सतर्कता, पीआईडीपीआई और व्हिसलब्लोअर तंत्र पर जोर देने के लिए किया गया था. यह वॉकथॉन

के माध्यम से सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और नैतिक आचरण के बारे में जनता को जागरूक किया गया. यह पहल संगठन के भीतर और जिन समुदायों की वह सेवा करता है, दोनों में सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बैंक की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है.

बैंक द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के लिए देश भर में कई आउटरीच और सहभागिता गतिविधियाँ आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है.

एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड और नैस्डैक सूचीबद्ध डिगीएशिया कॉर्प ने एआई-संचालित ब्रांचलेस बैंकिंग और फाइनेंशियल इंक्लूजन (वित्तीय समावेशन) नवाचार में रणनीतिक साझेदारी का विस्तार किया

इंडोनेशिया और भारत में एआई-ऑप्टिमाइज्ड एजेंट नेटवर्क और फाइनेंशियल इंक्लूजन के माध्यम से वित्तीय पहुंच को तेज करने का सहयोग

(जीएनएस)।

लखनऊ : एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड (एनएसईः भारत की एक प्रमुख फिनटेक इनोवेटर कंपनी, और नैस्डैक सूचीबद्ध डिगीएशिया कॉर्प, जो इंडोनेशिया की अग्रणी फिनटेक प्लेटफॉर्म है, ने अपने रणनीतिक सहयोग के विस्तार की घोषणा की है। यह साझेदारी सिर्फ. भुगतान सेवाओं तक सीमित न रहकर ब्रांचलेस बैंकिंग, एआई-आधारित ढांचा और फाइनेंशियल इंक्लूजन समाधान तक फैलाई जाएगी, जो 30 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अवसर को लक्ष्य बना रही है।

एमओएस की टेक्नॉलॉजी डिगीएशिया के ब्रांचलेस बैंकिंग नेटवर्क में एकीकृत की जाएगी, जिससे इंडोनेशिया में एक मिलियन से अधिक व्यापारियों को वित्तीय सेवा एजेंट के रूप में जोड़कर अपूर्ण रूप से सेवित समुदायों तक पहुंच बढ़ाई जाएगी ।डिगीएशिया और एमओएस मिलकर उन्नत एआई क्षमताओं का विकास करेंगे, जिसमें शामिल हैं:एआई एजेंट परफॉर्मेंस स्कोरिंग - संभावित उच्च-प्रदर्शन एजेंटों की पहचान के लिए भविष्यवाणी मॉडल ।कैश मैनेजमेंट एआई - एजेंट स्तर पर नकदी की कमी को कम करने के लिए तरलता का पूवार्नुमान। एआई क न्वर्सेशनल असिस्टेंट - बहुभाषी वॉयस और चैट इंटरफेस जो एजेंटों को ग्राहकों को भुगतान, बचत और सूक्ष्म ऋण आवेदन प्रक्रियाओं में मार्गदर्शन करने में सहायता करेगा।

डिगीएशिया कॉर्प के सह-सीईओ प्रशांत गोकार्ण ने कहाः ह्लहमारी साझेदारी एमओएस के साथ केवल भुगतान से आगे बढ़कर एआई-संचालित ब्रांचलेस बैंकिंग ईकोसिस्टम बनाने की दिशा में है, जो एक मिलियन से अधिक इंडोनेशियाई व्यापारियों को सक्षम बनाएगा और एशिया में डिजिटल व्यापार और समावेशी वित्त की नींव रखेगा ।ह्लएमओएस यूटिलिटी लिमिटेड के चेयरमैन और डायरेक्टर श्री चिराग शाह ने कहाः ह्लएमओएस के मॉड्यूलर फिनटेक इंफ्रास्ट्रक्चर को डिगीएशिया की डिस्ट्रीब्यूशन रीच के साथ जोड़कर हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहे हैं, जो वित्तीय सेवाओं की डिलीवरी को बदल देगा। एजेंट-नेटवर्क एआई से लेकर क्रॉस-बॉर्डर सपोर्ट तक, यह उभरते बाजारों में वित्तीय समावेशन को मजबूत करेगा। डिगीएशिया कॉर्प इंडोनेशिया की एक अग्रणी फिनटेक प्लेटफॉर्म है, जो एम्बेडेड फाइनेंस, ब्रांचलेस बैंकिंग और डिजिटल भुगतान समाधान प्रदान करती है। डिगीएशिया का मिशन माइक्रो-व्यापारियों, एमएसएमई और उपभोक्ताओं को डिजिटल-फर्स्ट वित्तीय सेवाओं से सशक्त बनाकर वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाना है।

एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड भारत की एक फिनटेक इनोवेटर कंपनी है, जो मॉड्यूलर टेक्नॉलॉजी प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल पेमेंट, यूटिलिटी और वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। एमओएस शहरी और ग्रामीण भारत में अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराते हुए वित्तीय पहुंच और डिजिटल परिवर्तन को गति देता है।

दुष्कर्म के आरोपी टैम्पू चालक ने सिपाही की पिस्टल छीनकर की फायरिंग : पुलिस की गोली से आरोपी हुआ घायल

(जीएनएस)।

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) बलात्कार करने वाले आरोपी ने पुलिस हिरासत से भागने के लिए पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस की गोली से दुष्कर्मी घायल हो गया। जानकारी के अनुसार थाना जमुनापार क्षेत्र में टैम्पू चालक पर एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाया था। पीड़िता की सूचना पर पहुंचे डायल 112 के पुलिसकर्मी पीड़िता और टैम्पू चालक को थाने ले गए। जमुनापार पुलिस ने टैम्पू चालक से पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद थाना प्रभारी जमुनापार विदेश कुमार पुलिस टीम के साथ आरोपी टैम्पू चालक दिनेश पुत्र प्रेम सिंह निवासी गांव गौसना थाना जमुनापार को घटना में प्रयुक्त ऑटो को बरामद कराने के लिए ले जा रहे थे। उसी बीच आरोपी ने एक पुलिसकर्मी की सरकारी पिस्टल

छीनकर भागते हुए फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने भी जबावी कार्रवाई की तो आरोपी टैम्पू चालक दिनेश के पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की निशानदेई से घटना में प्रयुक्त ऑटो और पुलिसकर्मी की छीनी सरकारी पिस्टल को बरामद करने के बाद घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया।

संजीव कुमार ने घरेलू मैदान पर अंतिम राउंड 65 के साथ पहली जीत दर्ज की, नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर पहुंचे

(जीएनएस)।

लखनऊ, 11 सितंबर, 2025: लखनऊ के संजीव कुमार ने अपने घरेलू मैदान, लखनऊ गोल्फ क्लब में, पीजीटीआई नेक्सजेन के सीजन के सातवें इवेंट के तीसरे और अंतिम राउंड में शानदार पाँच अंडर 65 का स्कोर बनाकर अपनी पहली जीत दर्ज की।

33 वर्षीय संजीव कुमार (68-70-65), जो दूसरे राउंड के बाद दूसरे स्थान पर थे, ने पूरे हफ़्ते सात अंडर 203 का स्कोर बनाकर दो शॉट की जीत दर्ज की। संजीव की इस शानदार वापसी के परिणामस्वरूप उन्हें 2,54,300 रुपये का विजयी चेक मिला, जिससे वह 2025 पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान से पहले स्थान पर पहुँच गए और इस सीजन की उनकी कमाई 7,08,740 रुपये हो गई।

चंडीमंदिर के उमेद कुमार (67-68-70), जो रातोंरात तीन शॉट से आगे चल रहे थे, ने तीसरे दिन इवन-पार 70 का स्कोर बनाया और एक स्थान नीचे खिसककर पाँच अंडर 205 के कुल स्कोर के साथ उपविजेता रहे। उमेद के दूसरे स्थान पर रहने से उन्हें पीजीटीआई नेक्सजेन मेरिट सूची में आठवें से दूसरे स्थान पर पहुँचने में मदद मिली।

इस वर्ष के नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट के विजेता को 2026 सीजन के लिए मुख्य टूर (पीजीटीआई) में छूट

मिलेगी। नेक्सजेन अब ब्रेक ले रहा है क्योंकि अगला आयोजन नवंबर के पहले सप्ताह में भुवनेश्वर में होना है ।लखनऊ गोल्फ क्लब एक पार-70 नौ-होल कोर्स है जहाँ एक राउंड बनाने के लिए नौ होल दो बार खेले जाते हैं। कई होल पर, अलग-अलग टीज का उपयोग किया जाता है और आगे के नौ और पीछे के नौ होल के लिए अलग-अलग स्थान होते हैं।

संजीव कुमार ने आखिरी राउंड में अपने स्थानीय ज्ञान का पूरा फायदा उठाया और दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए बिना किसी बोगी के 65 का स्कोर बनाया। संजीव के हॉट पुटर ने भी कमाल दिखाया और उन्होंने पहले और 11वें होल के बीच 10 से 20 फीट की दूरी से चार बर्डी लगाईं। संजीव ने 12वें होल पर दिन की अपनी पाँचवीं बर्डी लगाई। इसके बाद उन्होंने अंत तक पार स्कोर बनाए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी उमेद कुमार को दो शॉट से हरा दिया।

संजीव, जो 2011 से पेशेवर गोल्फ खेल रहे हैं और पहले भी पीजीटीआई में कई बार उपविजेता रहे हैं, ने कहा, "मैंने आज हफ़्ते का अपना सर्वश्रेष्ठ गोल्फ खेला। मेरी हिटिंग और पुटिंग बेहतरीन थी। सबसे अहम बात यह है कि मैंने आखिरी राउंड को ऑफ-सीजन में अपने घरेलू कोर्स पर खेले जाने वाले किसी भी अन्य राउंड की तरह ही लिया। अपने घरेलू मैदान पर खेलते हुए मुझे यह पता था कि मुझे अपने शॉट कहाँ लगाने हैं।"

"मैंने अपने पहले खिताब के लिए लंबा इंतजार किया है। मैं पहले कई मौकों पर जीत के करीब पहुँच गया था। अपने घरेलू मैदान पर अपने परिवार और दोस्तों के सामने जीतना वाकई खास था। मैं लखनऊ गोल्फ क्लब और उसके सदस्यों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। अब मेरी नजरें नेक्सजेन रैंकिंग में नंबर 1 के रूप में सीजन का अंत करने पर टिकी हैं, जिससे मुझे अगले साल मुख्य टूर में जगह मिल जाएगी।

उमेद कुमार, जो रात भर की तीन शॉट की बढ़त के कारण अंतिम दौर में प्रबल दावेदार थे, को नौवें होल पर ट्रिपल-बोगी और ग्यारहवें होल पर डबल-बोगी से बड़ा झटका लगा। बैक-नाइन होल पर पाँच बर्डी लेने के बावजूद उमेद इस दोहरे झटके से उबर नहीं पाए, जबकि संजीव लीडरबोर्ड पर लगातार आगे बढ़ते रहे।

गुरुग्राम के कुशल सिंह (70) ने एक ओवर 211 के कुल स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीएनबी ने व्यापक आईटी साल्यूशन्स की मजबूती के लिए टीसीआईएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

(जीएनएस)।

11 सितंबर 2025: सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने संचार मंत्रालय के तहत भारत सरकार के एक उपक्रम टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य पीएनबी के प्रौद्योगिकी अवसंरचना को मजबूत करने और उसकी तकनीकी परिवर्तन यात्रा को तेज करने के लिए किया गया है। यह सहयोग तेज, अधिक विश्वसनीय और ग्राहक-केंद्रित डिजिटल सेवाओं को सक्षम करेगा।

हस्ताक्षर समारोह नई दिल्ली स्थित टीसीआईएल मुख्यालय में विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पीएनबी का प्रतिनिधित्व महाप्रबंधक श्री मनीष अग्रवाल ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया, जबकि टीसीआईएल प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीएमडी श्री संजीव कुमार ने किया।

इस एमओयू के अंतर्गत, टीसीआईएल आईटी परामर्श, परियोजना प्रबंधन और जटिल तकनीकी पहलों के टर्नकी निष्पादन में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य सशक्त, सुरक्षित और नियामक-अनुपालक समाधान प्रदान करना है जो पीएनबी के डिजिटल संरचना को मजबूत करेगा, परिचालन लचीलेपन में सुधार करेगा और ग्राहक सेवाओं में नवाचार का समर्थन देगा`

समर्थन के प्रमुख क्षेत्रों में आरएफपी जीवनचक्र प्रबंधन, प्रणाली एकीकरण, प्रौद्योगिकी अवसंरचना रोलआउट और नियामक-अनुपालक प्रौद्योगिकी का प्रयोग सम्मिलित हैं। आवश्यकताओं के आधार पर, टीसीआईएल परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) या परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) के रूप में काम करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि समाधान पीएनबी के प्रौद्योगिकी रोडमैप और ग्राहक प्राथमिकताओं के साथ संरेखित हों।

इस अवसर पर अपने व्याख्यान में, पीएनबी, महाप्रबंधक श्री मनीष अग्रवाल ने कहाः ह्लटीसीआईएल के साथ यह रणनीतिक साझेदारी पीएनबी की आईटी परिवर्तन यात्रा में एक मील का पत्थर है। टीसीआईएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, हम आधुनिकीकरण में तेजी लाएंगे, ग्राहक टचप्वाइंट्स को बढ़ाएंगे, और पूरे भारत में सुरक्षित, निर्बाध डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेंगे। साथ मिलकर, हम एक लचीला, प्रौद्योगिकी-संचालित और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं।"

टीसीआईएल, सीएमडी श्री संजीव कुमार ने कहाः "पंजाब नेशनल बैंक के साथ यह साझेदारी अग्रणी संस्थानों के लिए एक विश्वसनीय प्रौद्योगिकी भागीदार के रूप में टीसीआईएल की भूमिका को रेखांकित करती है। आईटी परामर्श , खरीद और टर्नकी निष्पादन में अपनी विशेषज्ञता को मिलाकर, हम पीएनबी को उसके आईटी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और अपने ग्राहकों को अधिक वैल्यू प्रदान करने में मदद करेंगे।"

यह सहयोग पीएनबी को नई तकनीकों को तेजी से अपनाने, सुरक्षित और अनुपालन योग्य संचालन सुनिश्चित करने और ग्राहकों को त्वरित, अधिक विश्वसनीय और डिजिटल रूप से सक्षम बैंकिंग अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। यह समझौता ज्ञापन भारत सरकार के डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण का भी समर्थन करता है, जिससे प्रौद्योगिकी-संचालित वित्तीय सेवाओं में विश्वास को मजबूत होगा और देश के डिजिटल बैंकिंग परिदृश्य को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

ट्राइटन वाल्व्स लिमिटेड ने अपनी 50वीं वर्षगांठ का भव्य जश्न मनाया

(जीएनएस)।

लखनऊ : भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोटिव टायर वाल्व निमार्ता और पूरे विश्व के उद्योगों की अग्रणी इंजीनियरिंग पार्टनर, ट्राइटन वाल्व्स लिमिटेड ने 10 सितंबर को बेंगलुरु के आईटीसी गार्डेनिया स्थित मैसूर हॉल में अपनी 50वीं वर्षगांठ का भव्य जश्न मनाया। यह समारोह लीडिंग एक्सीलेंस, इनोवेशन एंड रेसिलिएंस के पाँच दशकों का प्रतीक था। इसमें में ऑटोमोटिव क्षेत्र के गणमान्य लोगों, पार्टनर्स और उद्योग जगत के दिग्गजों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर, मैसूर के महाराजा यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा ने कहा, 'ट्राइटन वाल्व्स मैसूर में इनोवेशन की विरासत और भारत की आत्मनिर्भरता की भावना का एक गौरवशाली प्रमाण है। पचास वर्षों से, इसने न केवल भारत, बल्कि विश्व की सेवा करते हुए रेसिलिएंस, गुणवत्ता और विविधीकरण का उदाहरण पेश किया है। हम 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। ट्राइटन हम सभी को मेक इन इंडिया की शक्ति में विश्वास करने और समर्पण, दूरदर्शिता तथा उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता से प्राप्त हुई उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए प्रेरित करता है ।ह्ल

ट्राइटन की मार्गदर्शक अनुराधा गोकर्ण ने ग्राहकों, शेयरधारकों, लेखा परीक्षकों, साझेदारों और अतिथियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कंपनी की 50 साल की यात्रा के बारे में बताया तथा अपनी प्रेरणाप्रद कहानी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'ट्राइटन की 50 साल की यात्रा केवल एक कॉर्पोरेट उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह दृढ़ता और दूरदर्शिता के माध्यम से सपनों को हकीकत में बदलने की कहानी है। 1975 में इसके संस्थापक ने एक महत्वाकांक्षी सपना देखा। फिर चुनौतियों को पार करते

हुए आज 'मेड इन इंडिया' के गौरवशाली प्रतीक के रूप में एक कंपनी खड़ी कर दी। यह हमारे कर्मचारियों, साझेदारों और शुभचिंतकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। मैं उन सभी की आभारी हूँ जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं। ट्राइटन केवल एक कंपनी नहीं है; यह विश्वास, दृढ़ता और राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देने की प्रतिबद्धता पर आधारित एक परिवार है।"

श्री आदित्य एम. गोकर्ण ने सभा को कंपनी के असाधारण सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'हमारी स्वर्ण जयंती केवल 50 वर्ष पूरे होने का उत्सव नहीं है - यह मेरे पिता श्री एम.वी. गोकर्ण और मेरी माँ अनुराधा गोकर्ण के असाधारण लचीलेपन और नेतृत्व को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने संकट को अवसर में बदल दिया और भारत में ट्राइटन का नेतृत्व सुनिश्चित किया। उनकी विरासत हमें हर दिन प्रेरित करती है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, ट्राइटन इनोवेशन को बढ़ावा देने, वैश्विक गतिशीलता को सशक्त बनाने और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता में भारत के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम केवल वाल्व नहीं बना रहे हैं; हम उस बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहे हैं जो भारत को गतिमान रखता है।"

इस कार्यक्रम में मैसूर के महाराजा, यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, इंफोसिस के सह-संस्थापक एवं अध्यक्ष नंदन नीलेकणि, एथर एनर्जी के सह-संस्थापक स्वप्निल जैन, उद्योग जगत के दिग्गज, पार्टनर्स और कर्मचारियों सहित अनेक अतिथि मौजूद थे। कार्यक्रम का प्रारंभ ऑटोमोटिव में इनोवेशन के पाँच दशकों के संस्मरण के साथ किया गया।

इस कार्यक्रम का आकर्षण मैसूर के महाराजा, यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार द्वारा लेखिका रूपा पाई की स्मरणिका पुस्तक "कोर स्ट्रेंथ" का अनावरण था, जिसके बाद एक रोचक कहानी-कथन सत्र का आयोजन किया गया और पुस्तक के एक मनोरम हिस्से को पढ़कर सुनाया गया।

इस कार्यक्रम में भारत की उद्यमिता की भावना और विकास की खुशी में तीन पीढ़ियों के प्रतिष्ठित पैनल के साथ 'अतीत का सम्मान, भविष्य को प्रेरित करनाह्न शीर्षक पर एक गहन चर्चा का आयोजन किया गया। इस पैनल में श्री नंदन नीलेकणी, इंफोसिस के सह-संस्थापक और अध्यक्ष; श्री स्वप्निल जैन, एथर एनर्जी के सह-संस्थापक; और श्री आदित्य एम. गोकर्ण शामिल थे।

सत्र का संचालन प्रसिद्ध फाइनेंशियल कंटेंट निमार्ता, सोनिया शेनॉय ने किया। इस सत्र में उद्यमियों की यात्रा, उभरते क्षेत्रों में अवसर, उभरती चुनौतियां, सरकार और नीतिगत समर्थन, अनुसंधान एवं विकास का महत्व, कार्यस्थल संस्कृति और भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ आगामी रुझानों पर गहन चर्चा की गई।

संध्या कार्यक्रम का समापन ट्राइटन के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय डाक द्वारा एक विशेष स्मारक कवर विमोचन के साथ हुआ। जीपीओ बैंगलोर की डाक सेवा निदेशक श्रीमती तारा आईपीओएस ने श्रीमती अनुराधा एम. गोकर्ण को एक भावपूर्ण समारोह में यह कवर